M.A. Second Year (Hindi) (CBCS Pattern) Semester-IV

MAHNCBCS403 - Paper-IV - Vishesh Adhyayan - Munshi Premchand

P. Pages : 3 | **GUG/S/25/10521**

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

सुचनाएँ :- 1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।

1. निम्नलिखित अवतरणों में से **किन्ही तीन** अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **30**

क) यह भी जानती हूँ कि जीवन नश्वर है, अनित्य और संसार के सुख अनित्य और नश्वर है। यह सब जानते हुए भी पतंगे की भाँति दीपक पर गिर रही हूँ। इसीलिए तो कि प्रेम में वह विस्मृति है, जो संयम, ज्ञान और धारणा पर परदा डाल देती है। भक्त जन भी जो आध्यात्मिक आनंद भोगते रहते है, वासनाओं से मुक्त नहीं हो सकते। जिसे कोई बलात खींचे लिए जाता हो, उससे कहना कि तू मत जा, कितना बड़ा अन्याय है।

ख) हम क्षणिक मोह और संकोच में पड़कर अपने जीवन के सुख और शांति का कैसा होम कर देते हैं। अगर जालपा मोह के इस झोंके में अपने को स्थिर रख सकती अगर रमा संकोच के आगे सिर न झुका देता, दोनों के हृदय में प्रेम का सच्चा प्रकाश होता, तो वे पथभ्रष्ट होकर सर्वनाश की ओर न जाते।

ग) वह लालसा जो आज सात वर्ष हुए उसके हृदय में अंकुरित हुई थी जो इस समय पुष्प और पल्लव से लदी खडी थी, उस पर वज्रपात हो गया। आज ही के दिन पर तो उसकी समस्त आशाएँ अवलंबित थी, दुर्देव ने आज वह अवलंबन भी छीन लिया।

घ) अहित-कामना क्रोध की पराकष्ठा है। इसका फल तुम ईश्वर से पाओगी - यह वाक्य कृपाण और भाले से ज्यादा घातक होता है। जब हम समझते हैं कि किसी दुष्कर्म का दण्ड देने के लिए भौतिक शक्ति काफी नहीं है, तब हम आध्यात्मिक दण्ड का विधान करते है। उससे न्यून कोई दण्ड हमारे संतोष के लिए काफी नहीं होता।

ड) चिढने वाले चिढते क्यों है? इसकी मिमांसा तो मनोविज्ञान के पंडित ही कर सकते है। हमने साधारणतया लोगों को प्रेम और भक्ति के भाव से ही चिढते देखा है। कोई राम या कृष्ण के नामों से इसलिए चिढ़ता है कि लोग उसे चिढ़ाने के बहाने से ईश्वर का नाम लें। कोई इसलिए चिढ़ता है कि बाल वृन्द उसे घेरे रहें। कोई बैंगन और मछली से इसलिए चिढ़ता है कि लोग इन खाद्य वस्तुओं के प्रति घृणा करें। सारांश यह है कि चिढ़ना यह दार्शनिक क्रिया है, उसका उद्देश्य केवल सत् – शिक्षा है।

च) व्यंग्य और क्रोध में आग और तेल का संबंध है। व्यंग्य हृदय को इस प्रकार विदीर्ण कर देता है, जैसे छेनी बर्फ के टुकड़े को।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किसी एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए। **10**

अ) रंगभूमी में प्रेमचंद ने जिन समस्याओं पर प्रकाश डाला है। उनका विवेचन करते हुए उनकी समसामयिकता को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

आ) "सेवासदन एक विशेष उद्देश्य से लिखा गया उपन्यास है।" इस कथन की विस्तृत समीक्षा कीजिए।

3. निम्नलिखित में से **किन्ही पाँच** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए। **20**

1) जलपा का संक्षिप्त चरित्र – चित्रण कीजिए।

2) स्पष्ट कीजिए सेवासदन जन-जीवन का दर्पण है।

3) गबन की समस्या का निरूपण कीजिए।

4) रंगभूमि उपन्यास की विशेषताएँ लिखिए।

5) नागार्जुन का संक्षिप्त जीवन परिचय लिखिए।

6) कमलेश्वर की साहित्यिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

7) वृन्दावनलाल वर्मा का परिचय दीजिए।

4. निम्नलिखित सभी प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर लिखिए। **10**

1) भीष्म सहानी की साहित्यिक रचनाओं का उल्लेख कीजिए।

2) अल्का सरावगी का उपन्यास साहित्य में क्या योगदान है?

3) सुमन का परिचय लिखिए।

4) वर्तमान समय का प्रतिम्बिम्ब गबन को कहा जा सकता है क्या? और क्यों? लिखिए।

5) सेवासदन उपन्यास के शिर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

5. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के सही पर्याय लिखिए। **10**

1) सूरदास के जमीन के सामने क्या था?

अ) मंदिर	ब) धर्मशाला
स) गोदाम	द) दुकान

2) देवीदीन किस उपन्यास का पात्र है?

अ) गोदान	ब) सेवासदन
स) गबन	द) रंगभूमी

3) नवाबराय के नाम से कौन परिचित है?

अ) अज्ञेय	ब) नागार्जुन
स) निराला	द) प्रेमचंद

4) इनमें से कौन सा उपन्यास प्रेमचंद द्वारा रचित नहीं है?

अ) प्रेमाश्रम ब) सेवासदन

स) कायाकल्प द) काली-आँधी

5) इनमें से किसका वास्तविक नाम 'वैद्यनाथ मिश्र' है?

अ) रमेश बक्षी ब) भिष्म सहानी

स) वृंदावनलाल वर्मा द) नागार्जुन

6) सेवासदन की नायिका है-

अ) सुमन ब) जलपा

स) भोली द) सुभद्रा

7) पांडेपुर गाँव किस शहर के बाहर बसा था?

अ) रामपुर ब) श्यामपुर

स) पांडेपुर द) दानपुर

8) 'जोहरा' किस उपन्यास की पात्र है?

अ) रंगभूमि ब) सेवासदन

स) गबन द) गोदान

9) नागार्जुन स्वभाव से कैसे थे?

अ) अल्लहड़ ब) रौद्र

स) शांत द) घुमक्कड

10) 'मृगनयनी' ---------- का प्रसिद्ध उपन्यास है।

अ) नागार्जुन ब) वृंदावनला वर्मा

स) केदारनाथ द) प्रेमचंद

****